भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2721

दिनांक 22.12.2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

राजस्थान में जल जीवन मिशन

2721. श्री सुखबीर सिंह जौनापुरिया:

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) जल जीवन मिशन की प्रमुख विशेषताएं क्या हैं;

(ख) राजस्थान में उक्त मिशन किन-किन जिलों में कार्यान्वित किया गया है;

(ग) उक्त राज्य में उक्त मिशन के अंतर्गत शामिल जिलों का ब्यौरा क्या है**;**

(घ) उक्त राज्य में उक्त मिशन के अंतर्गत कितने घरों में नल द्वारा जलापूर्ति के नए कनेक्शन प्रदान किए गए हैं और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं**;** और

(ङ) इस संबंध में राजस्थान के टोंक और सवाई माधोपुर जिलों का रैंक क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, जल शक्ति

(श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (ङ): भारत सरकार, अगस्त 2019 से राज्यों की भागीदारी से जल जीवन मिशन (जेजेएम) का कार्यान्वयन कर रही है ताकि वर्ष 2024 तक राजस्थान के सभी जिलों के परिवारों सहित देश के प्रत्येक ग्रामीण परिवार हेतु नल जल आपूर्ति की व्यवस्था की जा सके। जल जीवन मिशन (जेजेएम) की प्रमुख विशेषताएं नियमित और दीर्घकालिक आधार पर निर्धारित गुणवत्ता (बीआईएस: 10500) के साथ 55 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन (एलपीसीडी) के सेवा स्तर पर नल जल कनेक्शन के माध्यम से प्रत्येक ग्रामीण परिवार को पीने योग्य पानी की व्यवस्था करना है।

जल जीवन मिशन की घोषणा के समय, 3.23 करोड़ (17%) परिवारों के पास नल जल कनेक्शन होने की सूचना दी गई थी। अब तक, लगभग 7.52 करोड़ (38%) और ग्रामीण परिवारों को नल जल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। इस प्रकार, 19.12.2022 की स्थिति के अनुसार, देश में 19.36 करोड़ ग्रामीण परिवारों में से 10.75 करोड़ (55.54%) से अधिक परिवारों के पास उनके घरों में नल जलापूर्ति होने की सूचना दी गई है।

राजस्थान के सभी जिले जेजेएम के अंतर्गत कवर किए गए हैं। जल जीवन मिशन की घोषणा के समय राजस्थान में 11.74 लाख परिवारों में नल जल कनेक्शन होने की सूचना दी गई थी। अब तक, 19.70 लाख और ग्रामीण परिवारों को नल जल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। इस प्रकार, 18.12.2022 की स्थिति के अनुसार, राजस्थान राज्य में 105.78 लाख ग्रामीण परिवारों में से लगभग 31.44 लाख (29.72%) परिवारों के पास उनके घरों में नल जलापूर्ति होने की सूचना दी गई है।

जैसा कि सूचित किया गया है, टोंक में कुल 2.27 लाख ग्रामीण परिवारों में से, अब तक 0.64 लाख (28%) परिवारों को नल जल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। इसी तरह, सवाई माधोपुर में कुल 2.36 लाख ग्रामीण परिवारों में से, अब तक लगभग 0.79 लाख (32%) परिवारों को नल जल कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। राज्य ने 2024 तक शेष ग्रामीण परिवारों को कवर करने की योजना बनाई है।

राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा दी गई सूचना के अनुसार ग्रामीण परिवारों में नल जल कनेक्शन की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र, जिला और ग्राम-वार स्थिति सहित, कवरेज आदि की स्थिति को दर्शाने वाला विवरण पब्लिक डोमेन में है और जेजेएम डैशबोर्ड पर निम्न लिंक पर उपलब्ध है:

https://ejalshakti.gov.in/jjmreport/JJMIndia.aspx

राजस्थान सहित पूरे देश में तेजी के साथ जेजेएम की आयोजना तथा कार्यान्वयन के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं, जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों की वार्षिक कार्य योजना (एएपी) पर संयुक्त विचार-विमर्श और उसे अंतिम रूप दिया जाना, कार्यान्वयन की नियमित समीक्षा, क्षमता निर्माण और जानकारी साझा करने के लिए कार्यशालाएं/सम्मेलन/वेबिनार, तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए बहु-विषयक दल द्वारा क्षेत्र के दौरे आदि शामिल हैं। जेजेएम के क्रियान्वयन हेतु विस्तृत कार्य संबंधी दिशा-निर्देश; ग्रामीण परिवारों में सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए ग्राम पंचायतों और वीडब्ल्यूएससी के लिए मार्गदर्शिका तथा आंगनवाड़ी केंद्रों, आश्रमशालाओं और स्कूलों में पाइप से जल आपूर्ति प्रदान करने के लिए एक विशेष अभियान संबंधी दिशा-निर्देश राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ साझा किए गए हैं ताकि जल जीवन मिशन की आयोजना और उसका क्रियान्वयन सुकर हो सके। ऑनलाइन निगरानी के लिए, जेजेएम - एकीकृत प्रबंधन सूचना प्रणाली (आईएमआईएस) और जेजेएम - डैशबोर्ड की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के माध्यम से पारदर्शी ऑनलाइन वित्तीय प्रबंधन की भी व्यवस्था की गई है।

*****